RIMS LAST WEEK E-NEWS

September 08–14, 2024

VOLUME 01| ISSUE 10

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

रिम्स में दर्द रहित प्रसव की सुविधा

26 अगस्त को समाचार पत्र में "1400 रुपये अधिक में डेंगू जांच किट खरीद रहा रिम्स" शीर्षक से प्रकाशित खबर तथ्यात्मक रूप से ग़लत है| रिम्स रक्त केंद्र द्वारा जांच करते हुए सदर अस्पताल, रांची व आपूर्तिकर्ता से इस सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी है|

1400 रुपये अधिक में डेंगू जांच किट खरीद रहा रिम्स

Incorrect

दैनिक जागरण एक्सक्लूसिव

अनुज तिवारी • जागरण

रांची : अभी शहर में डेंगू फैला है और लगातार इस बीमारी को लेकर मरीज जांच करा रहे हैं। इस जांच के लिए रिम्स सहित सदर अस्पताल में निश्शुल्क सुविधा है। सरकार के इन दो अस्पतालों में डेंगू की जांच के लिए एसडीपी किट की खरीदारी में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। सदर अस्पताल में यह एसडीपी किट जहां 8100 रुपये में खरीदना शुरू कर दिया गया है, वहीं रिम्स में अभी भी यह 9500 रुपये में खरीदा जा रहा है। इसके दर को कम करने की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। सदर अस्पताल में इस संबंध में पत्र भी जारी कर दिया गया, जिसमें कहा गया है कि संशोधित दर लागू कर दिया गया है और पहले जो 9500 रुपये में किट की खरीदारी होती थी, उसे घटाकर 8100 रुपये कर दिया गया है। एक ही स्पलायर इन दोनों जगहों पर किट की सप्लाई कर रहा है। दूसरी ओर यही किट निजी अस्पताल या लैब में करीब 11 हजार रुपये तक में बेची जा रही है। सरकारी संस्थान रिम्स की बात की जाए तो 9500 रुपये की दर रिम्स द्वारा ही तय की गई थी, जिसे देखते हुए सदर अस्पताल ने भी इसे स्वीकृत कर दिया था।

बता दें कि बरसात में डेंगू का डर बढ़ गया है। लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं।

HAEMONETICS

डेंगू किट के रैपर पर अंकित जानाकरी

- एक ही एजेंसी से [illegible] अस्पताल [illegible] रहे किट
- 9[illegible]0 में [illegible] व 8100 में सदर अ[illegible]ल डेंगू और प्लेटलेट जांच के लिए एसडीपी किट खरीद रहे
- एक किंट से एक मरीज के सैंपल की होती है जांच, बढ़ रहे रोगी

आर्मी अस्पताल के जर्नल में किट की कीमत मात्र 4778 रुपये

कई स्वंय सेवी संस्थानों द्वारा इस दर को लेकर सवाल उठाए गए। साथ ही सूचना का अधिकार के साथ जानकारी ली गई और उसमें पाया गया कि संबंधित जांच मशीन के लिए इस किट की सप्लाई करने वाला सिर्फ एक ही सप्लायर है। साथ ही एक ही कंपनी हेमोनेटिक्स एमसीएस प्लस की जांच मशीन रिम्स और सदर अस्पताल में लगायी गई है, जो टेंडर में एल वन होने से कंपनी को चुना गया। इस संबंध से इतर किट के मूल्य पर मामला अटकता नजर आ रहा है। लाइफ सेवर संस्थान के अतुल गेरा बताते है कि आर्मी हास्पिटल दिल्ली के जर्नल में स्पष्ट इस किट के मूल्य के बारे में बताया गया है जिसमें इसका अधिकतम मूल्य 4778 रुपये रखा गया है। यह जर्नल अपने आप में बड़ा है और विश्व स्तरीय है। ऐसे में सरकार को भी इस किट के मूल्यों में संशोधन करने की जरूरत है ताकि पैसा बर्बाद न हो सके।

एसडीपी किट पर एमआरपी 10350 रुपये है अंकित

एसडीपी किट में एमआरपी 10350 रुपये अंकित किया गया है। जबकि होलसेल रेट में यह कीमत कम से कम 30 से 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है। विशेषज्ञ के रूप में अतुल गेरा बताते हैं कि सर्जिकल आइटम में यह आता है और इसमें 40 प्रतिशत से भी अधिक रेट कम हो सकता है। ऐसे में किसी भी रूप में यह 9500 या 8100 से भी कम दर में बिकना चाहिए।

रांची सदर अस्पताल रक्त केंद्र के प्रभारी पदाधिकारी द्वारा ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया कि SDP किट वर्तमान में 10192 रु में क्रय की जा रही है| 12 प्रतिशत GST हटाने पर प्रति किट की कीमत 9100 होती है|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

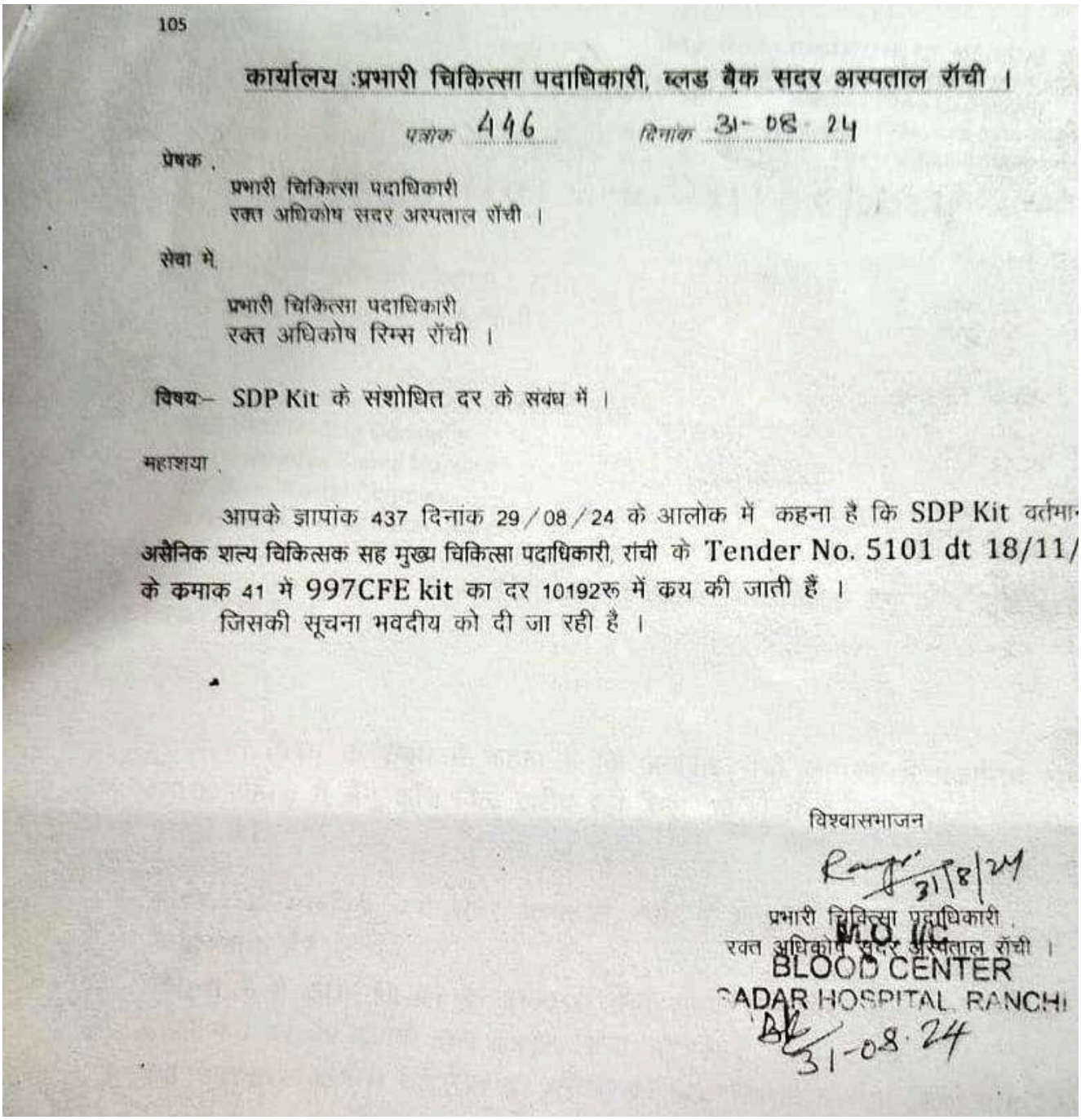

105

कार्यालय :प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, ब्लड बैंक सदर अस्पताल राँची ।

पत्रांक 446 दिनांक 31-08-24

प्रेषक,

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
रक्त अधिकोष सदर अस्पताल राँची ।

सेवा में,

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
रक्त अधिकोष रिम्स राँची ।

विषय:– SDP Kit के संशोधित दर के संबंध में ।

महाशया,

आपके ज्ञापांक 437 दिनांक 29/08/24 के आलोक में कहना है कि SDP Kit वर्तमा असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रांची के Tender No. 5101 dt 18/11/ के कमाक 41 में 997CFE kit का दर 10192रु में क्रय की जाती हैं ।

जिसकी सूचना भवदीय को दी जा रही है ।

विश्वासभाजन

31/8/24

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,
रक्त अधिकोष सदर अस्पताल राँची ।

M.O. I/C
BLOOD CENTER
SADAR HOSPITAL RANCHI

31-08-24

रांची सदर अस्पताल रक्त केंद्र के प्रभारी पदाधिकारी द्वारा प्राप्त पत्र

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

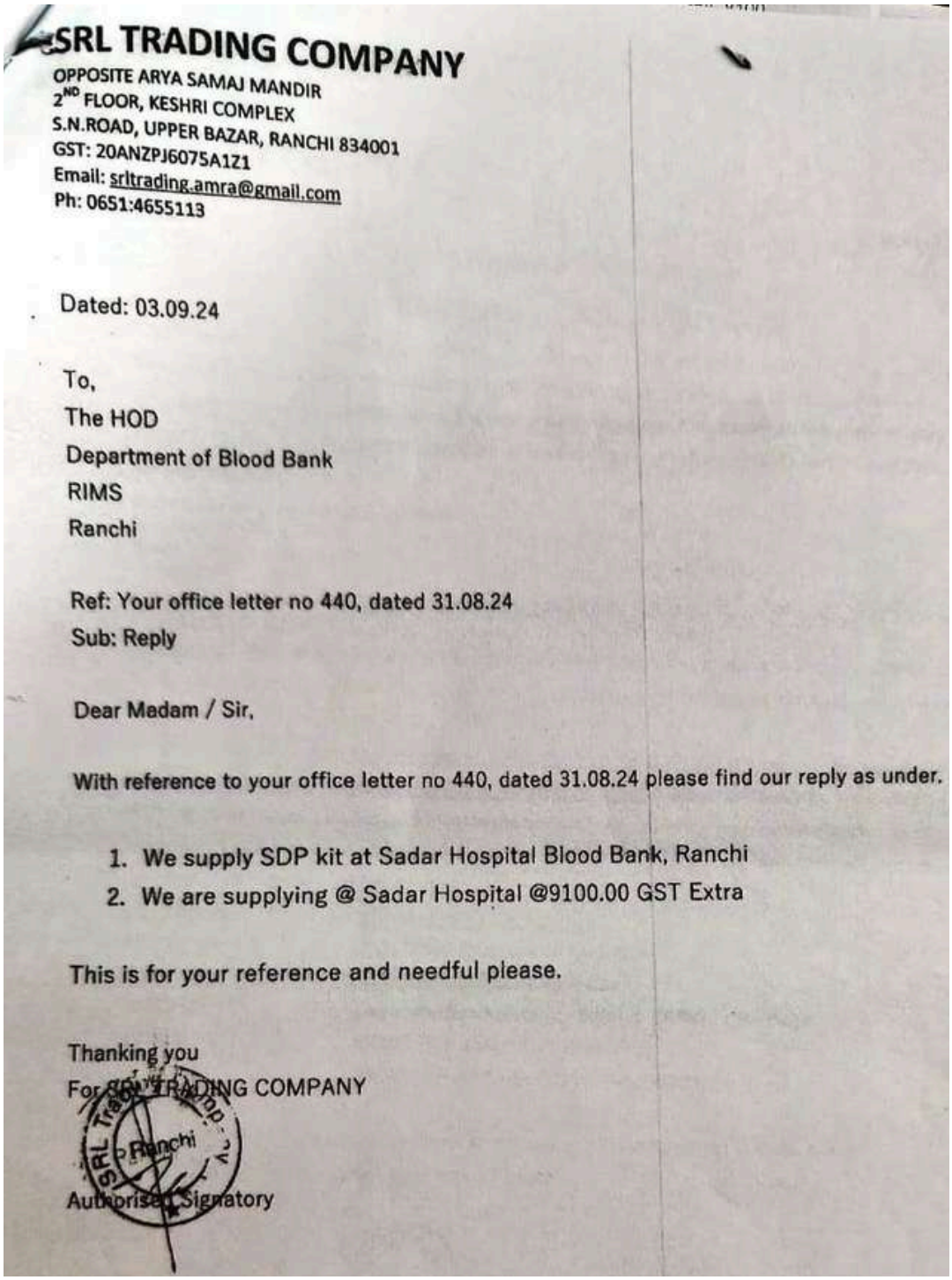

SRL TRADING COMPANY
OPPOSITE ARYA SAMAJ MANDIR
2ND FLOOR, KESHRI COMPLEX
S.N.ROAD, UPPER BAZAR, RANCHI 834001
GST: 20ANZPJ6075A1Z1
Email: srltrading.amra@gmail.com
Ph: 0651:4655113

Dated: 03.09.24

To,
The HOD
Department of Blood Bank
RIMS
Ranchi

Ref: Your office letter no 440, dated 31.08.24
Sub: Reply

Dear Madam / Sir,

With reference to your office letter no 440, dated 31.08.24 please find our reply as under.

1. We supply SDP kit at Sadar Hospital Blood Bank, Ranchi
2. We are supplying @ Sadar Hospital @9100.00 GST Extra

This is for your reference and needful please.

Thanking you
For SRL TRADING COMPANY
Ranchi
Authorised Signatory

इसके अलावा सदर अस्पताल रांची व रिम्स रांची में SDP किट की आपूर्ति करने वाली कंपनी SRL ट्रेडिंग कंपनी द्वारा भी सूचित किया गया है की 9100 रु + 12% GST अतिरिक्त की दर से यह किट दोनों संस्थानों में आपूर्ति की जा रही है|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK
E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

इस तरह के तथ्यात्मक रूप से गलत समाचार प्रकाशित कर लोगों को गलत जानकारी दी जाती है जो रिम्स की छवि खराब करने का प्रयास है| हमारा सभी से अनुरोध होगा इस तरह की खबरों पर पूर्णतः विश्वास न करें, सही तथ्यों एवं रिम्स के संस्करण को जानने के लिए रिम्स के आधिकारिक फेसबुक, एक्स (X) को फॉलो करें|

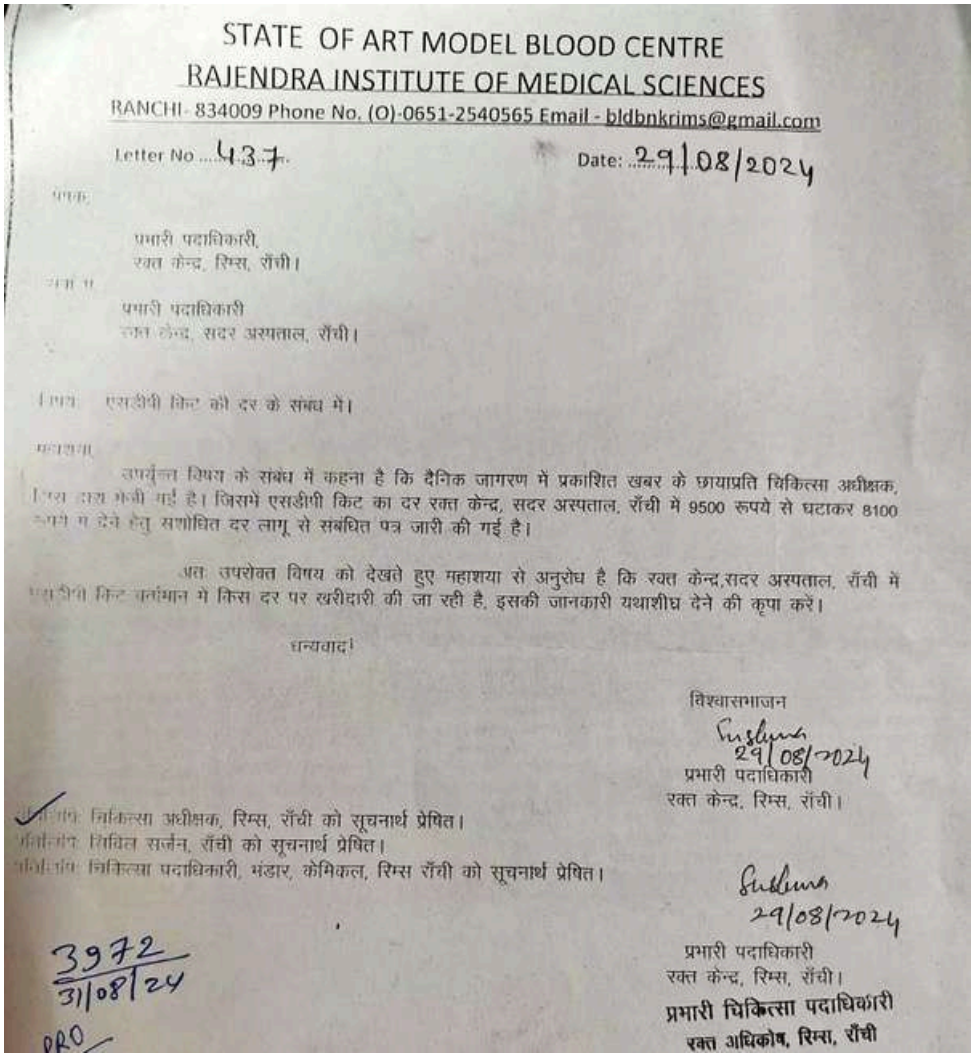

STATE OF ART MODEL BLOOD CENTRE
RAJENDRA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
RANCHI-834009 Phone No. (O)-0651-2540565 Email - bldbnkrims@gmail.com

Letter No. 437 Date: 29/08/2024

प्रेषक:

प्रभारी पदाधिकारी,
रक्त केन्द्र, रिम्स, रांची।

सेवा में,

प्रभारी पदाधिकारी
रक्त केन्द्र, सदर अस्पताल, रांची।

विषय: एसडीपी किट की दर के संबंध में।

महाशया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर के छायाप्रति चिकित्सा अधीक्षक, रिम्स द्वारा भेजी गई है। जिसमे एसडीपी किट का दर रक्त केन्द्र, सदर अस्पताल, रांची मे 9500 रुपये से घटाकर 8100 रुपये मे देने हेतु संशोधित दर लागू से संबंधित पत्र जारी की गई है।

अतः उपरोक्त विषय को देखते हुए महाशया से अनुरोध है कि रक्त केन्द्र,सदर अस्पताल, रांची में एसडीपी किट वर्तमान मे किस दर पर खरीदारी की जा रही है, इसकी जानकारी यथाशीघ्र देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

विश्वासभाजन
Sushma
29/08/2024
प्रभारी पदाधिकारी
रक्त केन्द्र, रिम्स, रांची।

प्रतिलिपि: चिकित्सा अधीक्षक, रिम्स, रांची को सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: सिविल सर्जन, रांची को सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: चिकित्सा पदाधिकारी, भंडार, केमिकल, रिम्स रांची को सूचनार्थ प्रेषित।

Sushma
29/08/2024
प्रभारी पदाधिकारी
रक्त केन्द्र, रिम्स, रांची।
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
रक्त अधिकोष, रिम्स, रांची

3972
31/08/24
PRO

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

रिम्स में दर्द रहित प्रसव की सुविधा

रिम्स में महिलाओं को अब दर्द रहित प्रसव की सुविधा प्राप्त होगी| प्राकृतिक प्रसव के दौरान दर्द से राहत के लिए महिलाएं निश्चेतना विभाग से एपिड्यूरल इंजेक्शन के लिए अनुरोध कर सकती हैं| एपिड्यूरल को मां की पीठ के निचले हिस्से पर एक इंजेक्शन के माध्यम से दिया जाता है, यह एक प्रकार का एनेस्थीसिया है जिसका उपयोग प्रसव पीड़ा से राहत के लिए किया जाता है| निश्चेतना विभाग की डॉ दीपाली सिंह को इसके लिए प्रभारी बनाया गया है|

स्त्री रोग विभाग में डॉ किरण त्रिवेदी के यूनिट में एपिड्यूरल एनाल्जेसिया के माध्यम से दो सफल प्राकृतिक प्रसव कराये गए हैं जिसमें जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

अनियमितता नहीं की जाएगी बर्दाश्त: निदेशक

रिम्स में फाइलों का ससमय निष्पादन हेतु प्रबंधन द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं और उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्यवाई की जा रही है जो फाइल को समय से संसाधित नहीं करते हैं| इसी तरह का एक मामला निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार के संज्ञान में लाया गया जहां एक विक्रेता की दो भुगतान की फाइलें 11 महीने और 4 महीने के विलम्ब से बढ़ाई गई। सम्बंधित विक्रेता द्वारा कार्डियोलॉजी विभाग में आयुष्मान भारत के अंतर्गत इम्प्लांट/पेसमेकर की कार्य आदेश के 5 दिनों के भीतर आपूर्ति की गयी थी| विक्रेता द्वारा अपरिहार्य कारणों से आपूर्ति रोक देने की स्थिति में L-2 विक्रेता से जीवन रक्षक इम्प्लांट/ पेसमेकर की आपूर्ति कराई गयी थी| निदेशक द्वारा गठित जांच कमिटी द्वारा पाया गया कि भुगतान संबधित 2 बिल 11 महीने एवं 4 महीने की देरी से संसाधित की गयी थी| इसकी जानकारी मिलने पर निदेशक ने सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पर कार्यवाई करने के निर्देश दिए हैं एवं विलम्ब के कारण की निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

मंकीपॉक्स से सम्बंधित एडवाइजरी

मंकीपॉक्स से जुड़े मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनज़र रिम्स में तैयारियों के आकलन हेतु चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) हिरेंद्र बिरुआ की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया और निम्नांकित निर्णय लिए गए:

1) मंकीपॉक्स से बचाव संबंधित जानकारी रिम्स परिसर में सभी LCD व अन्य माध्यम से प्रसारित की जाएगी|

2) मंकीपॉक्स के संभावित मामले आने पर सैंपल जांच हेतु MGM जमशेदपुर त्वरित भेजे दिए जायेंगे|

3) मरीज को अलग (isolation) में रख कर इलाज किया जायेगा|

बैठक में मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, शिशु रोग, चर्म रोग एवं माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष शामिल थे।

मंकीपॉक्स के मामलों में बुखार, त्वचा पर चकते, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द या थकावट, गले में खराश और खांसी के लक्षण पाए जाते हैं| लिए संक्रमित मरीज़ को आइसोलेशन में रखना चाहिए ताकि यह दूसरों में न फैले|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

रिम्स की जमीन पर कब्ज़ा व अप्रिय घटना कब तक ?

रिम्स अस्पताल और आवासीय परिसर में लगातार अतिक्रमण और अनाधिकृत प्रवेश के कारण आपराधिक तत्व आये दिन अप्रिय घटना को अंजाम दे रहे हैं| डॉक्टर कॉलोनी में क्वार्टर नंबर 64 के पास एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक घरेलू सहायिका के साथ छेड़खानी की गई है। सहायिका एक चिकित्सक के आवास कार्य करने सुबह 7.30 बजे जा रही थी जब उसे क्वार्टर 64 के पास एक अज्ञात व्यक्ति गलत इरादे से जबरदस्ती झाड़ियों में खींचने की कोशिश कर रहा था, सहायिका के शोर मचाने पर वह वहां से भाग निकला।

डॉक्टर्स कॉलोनी में रहने वाले डॉक्टर्स और उनके परिजनों में इस घटना को लेकर रोष और डर है, कइयों का कहना है कि इस माहौल में रहना मुश्किल होता जा रहा है।

दूसरी ओर रिम्स प्रबंधन ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिख कर बरियातू थाने के पीछे स्थित रिम्स की जमीन पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा JCB चलाकर कब्ज़ा किए जाने की सूचना दी गई है। प्रबंधन ने पुलिस महानिदेशक से त्वरित कार्यवायी करने का आग्रह किया है।

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 09

रिम्स की स्नेहा FAP Essay Competition में 1st

2021 बैच की सुश्री स्नेहा सिंधु को Family Adoption Program (FAP) निबंध प्रतियोगिता में ऑल इंडिया प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जो रिम्स रांची के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है| इस प्रतियोगिता में 7000 से अधिक प्रविष्टियां भेजी गयी थीं।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) द्वारा छात्रों को चिकित्सा अभ्यास के क्षेत्र से परिचित कराने के लिए फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम (FAP) की शुरुआत की गयी थी| FAP के लिए छात्रों को अपने संपूर्ण स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान चार परिवारों को गोद लेने की आवश्यकता होती है। इस से न केवल किसी बीमारी की clinical लक्षणों को समझने में मदद मिलती है बल्कि किसी समुदाय का इलाज कैसे किया जाए इसकी भी समझ हासिल होती है। यह कार्यक्रम clinical अभ्यास और रोगी कल्याण के आदर्शों से जुड़ने में मदद करता है। फ़ील्ड कार्य स्वास्थ्य देखभाल की कठोर वास्तविकताओं से अवगत कराता है जिसे अस्पताल की सीमा से अनुभव नहीं किया जा सकता है।

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

3 छात्रों के शोध की STS-ICMR द्वारा अनुशंसा

आईसीएमआर (STS-ICMR) ने वर्ष 2023 के लिए अल्पकालिक छात्रवृति कार्यक्रम के परिणामों की घोषणा कर दी है| इसमें 3 छात्रों के शोध की अनुशंसा की गई है और प्रत्येक को पुरस्कार के तौर पर ₹50,000 और ई-प्रमाणपत्र दिया जायेगा|

जिन छात्रों के शोध की अनुशंसा की गयी है:

1. नयन कुमारी
गाइड: डॉ तुषार कुमार, निश्चेतना विभाग
विषय: एसी बस से जाने वाले स्कूली बच्चों में प्रदूषण के प्रभाव और यूआरटीआई और अनुपस्थिति के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन"

2. सोहम
गाइड: डॉ अभय कुमार, मेडिसिन विभाग
विषय: हृदय विफलता के रोगियों में ट्रोपोनिन T&I मूल्यों का परीक्षण

3. आकांक्षा सिंह
गाइड: डॉ अनूपा प्रसाद, जीन व जेनोमिक्स विभाग
विषय: पीसीओडी में OGN जीन का उत्परिवर्तन

एसटीएस भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की एक पहल है जिसका उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान कार्यप्रणाली, वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान नैतिकता के विषय में परिचित कराना है|

September 08-14, 2024

RIMS LAST WEEK E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 10

जांच के लिए पैसे लेने के मामले में जांच पूरी

रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राजकुमार को सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग में पैसे लेकर जांच कराने की शिकायत प्राप्त हुई थी जिस पर कार्यवाई करते हुए निदेशक ने अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी को जांच के आदेश दिए थे। मामले की जांच में मरीज़ द्वारा सूचित किया गया कि पैसे लेकर बाहर से जांच कराने का आश्वासन देने वाला व्यक्ति उनका जानकर था न की कोई चिकित्सक और न ही किसी चिकित्सक द्वारा इलाज हेतु पैसे की मांग की गई थी|

RIMS LAST WEEK E-NEWS

रिम्स से जुड़ी सही खबरों के लिए रिम्स के **Facebook**, **X** (formerly Twitter) और **Youtube Channel** से जुड़ें|

@Rims Ranchi

@ranchi_rims

@rimsranchi3365